hon. Member has to see how far the traffic—the goods traffic as well as the passenger traffic—necessitates a new line construction.

SHRI N. TOMBI SINGH: May I know from the hon. Minister that in answer to to question No. (c) which is whether the people of NEFA are suffering from serious difficulties from the lack of communication facilities, the hon. Minister has replied that it is a matter of opinion. May I know whether it is the opinion of the Government of India that people are not sufferent for want of communication facilities in that area?

MR. SPEAKER: He did not want to answer; that is why he said, it is a matter of opinion.

SHRI N. TOMBI SINGH: I would like to know the opinion of the Minister himself. Is it his opinion that the people are not suffering for want of communication ?

MR. SPEAKER: What is your opinion?

SHRI HANUMANTHAIYA: Hon. Members from that area have invited me to visit that area and other places. After seeing them, I will form an opinion.

SHRI PRIYA RANJAN DAS MUNSI: In view of the fact that there is security importance in the North-East frontier agency and in view of the several representations were made to the Railway Minister for extension of the Railway line, and in view of the situation of Bangla Desh and the tension in the NEFA border, will the Minister kindly take special steps to extend the Railway line ? The NEF railway has always been receiving step-motherly treatment from the Government. They don't get the facilities. Whenever they want something, Government says, 'under consideration' 'under consideration' etc.

MR. SPEAKER: Please ask concise and precise question. The more I want to stop you, the more heated you become. It takes lot of time. The result is, we are doing less number of questions now.

SHRI HANUMANTHAIYA: I assure the hon. Member that the Government is not affording and cannot afford to give step-motherly treatment to that area. If he means strategic consideration, you will see, Sir, the proposal has to come from the Defence Ministry. And, therefore, if and when the Defence Ministry asks us to consider, certainly, we will consider that.

जापान के सहयोग से बिहार में ट्रेक्टर फेक्टरी की स्थापना

*1245. **श्री रामावतार शास्त्री**: क्या **औद्योगिक विकास** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार राज्य कृषि उद्योग निगम ने जापान के सहयोग से बिहार में ट्रेक्टर फेक्टरी लगाये जाने की एक योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो सहयोगी की शर्तें क्या हैं;

(ग) क्या इस सम्बन्ध में सरकार ने अपनी मन्जूरी दे दी है, और

(घ) यदि हां, तो उक्त फेक्टरी कब तक स्थापित कर दी जायेगी ?

औद्योगिक विकास मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद): (क) ट्रेक्टर बनाने के उपक्रम की स्थापना करने के लिये लाइसेंस प्राप्ति हेतु एक आवेदन पत्र बिहार राज्य कृषि उद्योग निगम से प्राप्त हुआ है । आवेदन पत्र में बताया गया है कि निगम जापान तथा अन्य देशों से विदेशी सहयोग की बातचीत कर रहा है ।

(ख) और (ग). बिहार राज्य कृषि आयोग निगम ने सहयोग की शर्तों और उपबंधों को अभी प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

श्री रामावतार शास्त्री: क्या यह सच है कि पिछले वर्षों में बिहार में ट्रेक्टरों की मांग बहुत बड़ी है और उसके अनुपात में ट्रेक्टरों की सप्लाई कम हो रही है; यदि हां, तो इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार क्या व्यवस्था करने का विचार रखती है ?

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद: यह सच है कि बिहार में ट्रेक्टरों की मांग बढ़ी है—और देश के दूसरे हिस्सों में भी बढ़ी है। इसलिए हम बाहर से ट्रेक्टर मंगा रहे हैं और हमारे यहां ट्रेक्टर बनाने वाली जो कम्पनियाँ हैं, उनकी क्षमता बढ़ाने की भी कोशिश कर रहे हैं।

श्री रामावतार शास्त्री: क्या बिहार की एग्रो-इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन के साथ सरकार का कोई पत्राचार एक नया ट्रेक्टर कारखाना खोलने के बारे में हुआ है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ? मन्त्री महोदय ने बताया है कि एग्रो-इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन ने कुछ और देशों से भी बातचीत चला रखी है। मैं यह जानना चाहता हूं कि वे देश कौन-कौन से हैं।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद: बिहार राज्य कृषि उद्योग निगम ने हमारे पास जो आवेदन पत्र भेजा था, उसमें उसने जापान के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था। अन्य देशों के संबंध में उसने केवल सम्भावना का संकेत दिया था। इसलिए जब तक बिहार राज्य कृषि उद्योग निगम की तरफ़ से हम को कोई सूचना स्पष्ट रूप से प्राप्त नहीं होती है, तब तक हम इसके सम्बन्ध में कुछ नहीं कह सकते हैं। बिहार राज्य कृषि उद्योग निगम ने यह नहीं बताया है कि जापान के साथ किन शर्तों पर, किस आधार पर, इस उद्योग की स्थापना सम्भव हो सकेगी, इसके सम्बन्ध में उनकी कोई बातचीत अभी समाप्त नहीं हुई है। इसलिए इसके सम्बन्ध में आगे विचार करने का अभी प्रश्न नहीं उठता।

श्री रामशेखर प्रसाद सिंह: बिहार स्टेट एग्रो इंडस्ट्रियल कारपोरेशन के अलावा और भी किसी पार्टी ने ट्रेक्टर बनाने के लिए बिहार में दरख्वास्त दी है क्या ? अगर नहीं दी है तो कोई दूसरी पार्टी ट्रेक्टर बनाना चाहे तो उस पर विचार करने के लिऐ तैयार हैं ?

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद: बिहार राज्य से या किसी भी राज्य से जो भी ट्रेक्टर बनाने के लिए इस प्रकार के आवेदन पत्र दिए जाएंगे सरकार उन पर विचार करेगी।

श्री विभूति मिश्र: मैं जानना चाहूंगा कि बिहार हिन्दुस्तान में सब से बड़ा कृषि प्रधान स्टेट है . . . (**व्यवधान**) . . . कोई गाजियाबाद से ट्रेक्टर ले जाता है तो उस को चार हजार रुपये यहां ले जाने के ज्यादा देने पड़ते हैं, तो मैं जानना चाहूंगा कि अगर बिहार गवर्नमेंट नहीं लिखे तो क्या केन्द्रीय सरकार बिहार में कोई ट्रेक्टर का कारखाना प्राइवेट सेक्टर में या पब्लिक सेक्टर में लगाने की बात सोच रही है ? क्योंकि वहां ट्रेक्टर की मांग है, खेतिहर लोग रहते हैं।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद: श्रीमन्, मैंने अभी बताया कि अगर कोई आदमी बिहार में ट्रेक्टर का कारखाना खोलना चाहता है और वह आवेदन पत्र देता है तो उस पर विचार करेंगे।

SHRI CHAPAL BHATTACHARYYIA: Will the hon. Minister please state whether by manufacture of tractors he means only four-wheeled tractors or also hand-tillers and power-tillers ? Secondly, which are the parties and which are the countries such as Japan etc. with which negotiations are being carried on ?

SHRI SIDDHESHWAR PRASAD: The main question relates only to tractors and does not relate to power-tillers. If there is any application for power-tillers that will also be taken into consideration.

Income from Dining Cars on Eastern Railway

*1246. SHRI R. P. DAS: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the total income from the Dining Cars on the Eastern Railway during 1970-71;

(b) whether the Dining Cars are running at a loss on this Railway;

*(c) if so, the total loss incurred during the year 1970-71; and

(d) if the reply to part (b) above be in negative, the total amount of profit during the year 1970-71 ?